विषात Ak. 2, 8, 2, 56. H. 779. क्विषात इवानलः R. 4, 31, 16. — 2) schmücken, zurüsten, act.: यहा केति। रमन्तर्शन्मियधे RV. 3, 19, 5. इमां वाचमनता (2 pl.) पर्वत्च्युते 5, 54, 1. med.: ममानमृज्येञ्चते प्रभे कम् 7, 57, 3. देवेषु धियं आनुत्रे 8, 52, 1 (अग्निः). अञ्चानः (passivisch) मप्त केति। मिक्विष्मित 3, 10, 4. — 3) verherrlichen, ehren, act.: आयुं न यं नमेसा रातकेव्या अञ्चात्ते RV. 6, 11, 4. आग्निर्वा अनत्तु नः 8, 39, 1. VS. 23, 8. med.: युवा यद्गेः प्रथमा गामिर्जित RV. 1, 151, 8. passivisch: अस्य स्तात्रे धिषणा यत्ते आनुत्रे 1, 102, 1. समिद्धिश्चित्रात्रात्ता 108, 4. अति। स्तात्रे धिषणा यत्ते आनुत्रे 1, 102, 1. समिद्धिश्चित्रात्राता 108, 4. अति। स्तात्रे हिष्णा यत्ते आनुत्रे 1, 102, 1. समिद्धिश्चित्रात्राता 108, 4. अति। स्तात्रे हिष्णा यत्ते आनुत्रे 1, 102, 1. समिद्धिश्चित्रात्रात्रा 108, 4. अति। स्तात्रे हिष्णा पत्ते आन्त्रे श्वासिम्। सात्रि रात्ति। स्तात्रे स्तात्रे रात्ति। स्तात्रे रात्ति। प्रकार प्रभः प्रभः स्तात्रे रात्ति। स्तात्रे रात्ति। स्तात्रे रात्ति। प्रकार प्रभः स्तात्रे रात्ति। स्तात्रे रात्ति। स्तात्रे रात्ति। प्रकार स्तात्रे रात्ति। स्ताति। स्तात्रे रात्ति। स्ताति। स्तात्रे रात्ति। स्ताति। स्तात्रे रात्ति। स्तात्रे रात्ति। स्तात्रे रात्ति। स्तात्रे रात्ति। स्तात

- म्रधि ausrüsten: माङ्गिर्मा उध्येता नः पुरार्क्तः AV.10,1,6.
- म्रत्यु in sich aufnehmen: म्रतमिहिमानमानज्ञ धीरै: VS. 8,30.
- म्रभि 1) salben, bestreichen, act.: नवनीतेनाभ्यञ्जलि Air. Ba. 1, 3. med. s. u. मञ्जू 1. म्रभ्यत gesalbt M.4, 44. Çik. 108. घृताभ्यत Jiék. 1, 68. विद्योपिद्षष्ट्रिभ्यङ्गरभ्यतः Vid. 180. 2) schmücken: मञ्जाना मृत्री-रिभ स्प.2,8,4. म्रभ्या ताता स्वरंकता AV.10,1,25.
- ह्या 1) salben: स्रांताणी खाइय Åçv. Gan. 4,6. 2) glätten, zurichten: स्रा ना दिधिका पृथ्यामनक्त हुए. 7,44,5. Av. 10, 1,25. 3) ehren, ehrenvoll ausnehmen: स्रा वा नर्ताता स्रद्रंप खाजन् हुए. 6,63,3. स्रा लीम-नक्त प्रयंता क्विव्यंती हुए. 8,49,1.
- ति 1) act. einsalben, bestreichen: यथा मत्ती इद् मधु न्युञ्जित मधाव-धि AV. 9, 1, 17. मेथा मे विज्ञुन्येनिकासन् 18, 3, 41. न्यज्य Kars. 16, 6, 8. bei Manton. zu VS. 11, 83. — 2) med. schlüpsen, sich verstecken: लष्टा ग्रास्वतन्यीनित हुए. 1, 161, 4.
- प्र schmücken, verschönern: (क्र्यः) प्र ये द्विता द्वि श्रुञ्जल्याताः (ऋज्ञति?) RV.3,43,6.
- प्रति 1) bestreichen: प्रत्यनत्त्र्यवदानानि ÇAT. Ba. 5, 1, 2, 6. 2) schmücken: नर्शिम्: प्रति धामीन्यञ्जन् P.V. 2, 3, 2.
- वि 1) med. durchsalben RV. 9, 86, 43 (vgl. oben u. श्रञ्ज 1.). 2) med. sich herausputzen, sich ein Ansehen verschaffen: प्रुवा व्यंज्ञत ख्रिये RV.8,7,25. मुझिभिट्यीनचे 1,87,1. ट्यंत herausyeputzt, ansehnlich, einen guten Anschein habend RV. 7, 56, 1. 77, 3. 9,71,7. 10,14,9. 86,5. 127,7. Valakh. 7, 4. - 3) erscheinen lassen, offenbaren, an den Tag legen, act.: तिह्या मनस्ते व्हर्पं व्यनिक्त MBn.2,2122. स्रकिंचनत्वं व्यन-ति RAGH. 5, 16. med.: (उपसा) व्यक्ति द्वि म्रतिघुतून् RV. 7,79, 2. pass. 10,85,28. कर्माण व्यउयते प्रज्ञा Рамкат.1,143. भुजमा व्यउयते मणिभिः फ-णास्यै: Rлан. 13, 12. पुरुपट्यत्यपेन परिकासी ट्यउयते Р. 1, 4, 106, Sch. ट्यक्त offenbar, wahrnehmbar, vernehmbar, deutlich: ट्यक्तं द्वदि चर्षा-न्यासम् Месв. ५६. स वाचा व्यक्तया रामिमरं वचनमन्नवीत् R.3,73,12. प-रस्तस्मानु भावा ऽन्या ऽच्यक्ता व्यक्तात्मनातनः BHAG.8,20. मराव्यक्तान-रपद R.4,9,65. hell, klar: मुट्यकलाचन R.6,95,24. ट्यक्तम् adv. offenbar, deutlich, gewiss BRIHMAN. 1, 33. SAV. 5, 92. R. 1, 77, 27. 3, 67, 22. 4, 55, 15. 5, 77, 11. 85, 10. 11. 13. 6, 82, 119. Vgl. auch u. ट्यता und श्रव्यता. - Caus. व्यञ्जपति zur Erscheinung bringen, offenbaren, an den Tag legen: स्वरंगूर्भगवानव्यक्ता व्यञ्जयित्रम् M.1,6. म्रनार्यता निष्ठुरता u. s. w.

पुरुषं व्यञ्जयत्ति कलुषयानितम् 10,58. प्रणायं व्यञ्जयत्तीव MBB.3,15964. वीतं स्वैर्व्यञ्जितं गुणै: M.9,36. श्रका शाखामृगत्वं ते व्यञ्जितम् R.4,1,21. कुशलसंप्रश्रव्यञ्जितप्रीति RAGB.10,35. MBGB.30.

- म्रभिवि an den Tag legen. म्रभिव्यक्त offenbar, deutlich hervortretend: तां प्रत्यभिव्यक्तमनार्थानां मक्तिपतीनाम् RAGH.6, 12. पूर्भिव्यक्तमु- खप्रसादा 16, 23. म्रनभिव्यक्तार्थान्द्रकायां दीपिकाः पुनक्ताः ४१४८. 40, 2. म्रभिव्यक्तम् adv. offenbar, deutlich Jäćk. 1, 348. N.17, 7.
- सम् 1) besalben, act.: घृतनाञ्चलसं पथ: VS.29,2. med.: सं बर्लि क्लिं क्लिं

মন্ত্ৰক m. N. pr. ein Sohn Viprakitti's und der Simhika VP.148.

— Vgl. স্নান্ত্ৰিক.

- 1. মন্ত্রন m. 1) Hauseidechse Trik. 2,5,12. Mbd. n. 27; vgl. মন্ত্রনাঘিনা und মন্ত্রনিনা. 2) N. pr. der Weltelephant des Westens AK. 1,1,2,5. H. 170 (vgl. Sch.). an. 3,355. Mbd. n. 26 (l. হিন্যার্মা:). Hån. 147. Viçva im ÇKDn. R. 1,6,23. 3) N. einer mythischen Schlange Vàju-P. im VP. 149, N. 16. 4) N. eines Fürsten von Mithila VP. 390. 5) N. eines Berges R. 4,37,5 (vgl. 21, wo er দক্ষেন genannt wird). Varås. Bru. in Verz. d. B. H. 240,14,5. Pankat. 120,9; vgl. মন্ত্রনামিত্রিন 6) N. einer Pflanze; মন্ত্রনান্নিহা নিদ্যাংশ-শি: Pankat. 10,7.
- 2. সত্ত্রন (von সৃত্ত্র্) n. 1) das Salben, Bestreichen, Schminken Kars. Ça. 20, 1, 8 (म्राउयेन). (वर्तयेत्) स्रभ्यङ्गमञ्जनं चाहणीः M. 2, 178. मैत्रं प्रसाधनं स्नानं दत्तधावनमञ्जनम् (der Augen) । पूर्वाह्म एव कुर्वेति 4,152. — 2) Salbe Âçv. Ça. 6, 14. (तर्वः) गैरिकाञ्चनसंक्षिष्टाः R. 5, 5, 12. Uebertr.: निर्ञन ungeschminkt: तद्। विद्यान्युएयपापे विधूप निर्ञ्जनः पर्मं साम्य-मुविति Munp. Up. 3,1,3. Çveriçv. Up. 6, 19. तस्त्रयं (स्रस्ति, भाति, प्रियम्) लेकात्रपकं मापातीतं निर्ञ्जनम् Bilab. 22. — 3) Augensalbe (als Cosmetiсит) Н.686. Мвв. п.26. R.2,9,53. प्रमद्त्तिचनन्यस्तं मलीमसिमवाञ्चनम् нит. 11, 148. कुर्वनञ्जनमेचका इव दिशो मेघः समुज्ज्ञम्भते Маккы. 84, 24. नयनाञ्चन R. 2,93, 19. नीलाञ्चनचय 6,20, 11. 37,31. कृषाञ्चनगिरि 3,55,5. भिनाञ्चन Месн. 60. Вт. 1,11. भिनाञ्चनचय R. 6,20,15. Навіч. 6453. भि-वाञ्चनप्रचय हर. ३, ५ प्रभिवाञ्चनराशि हर. २, १, १. म्रज्ञानान्यस्य लेकिस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया । चतुरुन्मीलितं येन तस्मै पाणिनये नमः ॥ Çıxsıi ४९; vgl. P. II, S. 3. — 4) Collyrium aus Amomum Xanthorrhiza H. 1053. an. 3, 355. Med. n. 26. - 5) Antimonium (als Collyrium gebraucht) H. an. Med. Sugn. 1,140, 20. 2,61, 1. 152, 19. 392,11. u. s. w.; vgl. ब्राती-5 됐다. — 6) Zaubersalbe Verz. d. B. H. No. 483. 486. 904. 905. — 7) Dinte H. au. 3,354. — 8) Nacht (表記) H. au. 3,355. Med. — 9) Feuer Vıçva im ÇKDa. — 10) in der Rhetorik: स्रनेकार्यस्य शब्दस्य वाचकत्वे निय-स्ति । संपोगाधीरवाच्यार्घधीकद्मापृतिरञ्जनम् ॥ К. ४४७४-Ря. 14, ३.४.